[प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत]

करनी होगी। एक जांच कमेटी बनानी होगी तथा उन खराबियों को दूर करना होगा जिस से यह आठ दिन भी लगातार नहीं चल पाता।

थोरियम को यूरेनियम में बदलने के परीक्षण करने होंगे क्योंकि ऐसा अनुमान है कि दुनिया का 80 प्रतिशत थोरियम आक्साइड भारतीय खनिज सम्पदा है। अत: तारापुर परमाणु बिजली घर जो अमेरिकन ईंधन पर आधारित है, अब उस की निर्भरता कम हो जायगी। हमें तारापुर परमाणु बिजली घर को आत्मनिर्भर बनाना होगा।

अत: राजस्थान प्रान्त के पिछड़ेपन को देखते हुए विद्युत् की भारी कमी और कटौती को कम करने के लिए रावतमाटा में कार्यरत दो इकाइयों के स्थान पर दो और इकाइयां लगाई जा सकती है। पर शर्त यह हो कि ये इकाइयां पूर्णत: स्वदेशी हों।

इस के अतिरिक्त प्रान्त के पांचों संभागों में 5 थर्मल पावर प्लांट लगाये जाने चाहिए जिस से पिछड़ हुए राजस्थान के व्यक्ति हरित क्रान्ति, श्वेत क्रान्ति तथा भूरी क्रान्ति की ओर बढ़ सकें।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Whatever you have given in writing only shall go on record, which has been approved by the Speaker.

(v) SEVERE DROUGHT SITUATION IN BHIL ATEAS OF DUNGANPUR DISTRICT OF RAJASTHAN

SHRI BHEEKHABHAI (Banswara) Under Rule 377, I am making a statement.

Drought in Rajasthan and other places in the country has been discussed in this House serval times during the earlier Sessions also. However, the situation in the Bhil areas of Dunganpur district has become so distressing that it is imperative on the part of the Central Government to immediately initiate some special schemes by way of relief measures to the lakhs of hunger-stricken people. These Bhils have their own way of living and have been traditionally keeping away from the onslought of modern civilization. They hardly have any improved ways of earning their livelihood. In nutshell they eat whatever they can manage daily. Total crop failure has fade their lives miserable.

(vi) RELIEF MEASURES FOR THE PEOPLE AFFECTEF BY HAIL STORM IN UTTAR PRADESH

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर): गोरखपुर तथा उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में ओले पड़ने से जन-धन की भारी क्षति हुई है। अनेक लोगों की मृत्यु हुई है तथा करोड़ों रुपये की फसल नष्ट हो गई है। इस उपल-वृष्टि से लाखों कृषक परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गये हैं तथा प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अत: मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि जिन परिवारों के लोग मरे हैं उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाय तथा जिन किसानों की फसल नष्ट हुई है उन का लगान माफ़ कर दिया जाय और उन्हें मुआवजा प्रदान किया जाय। ओले से प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की फीस माफ़ की जाय तथा जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाय। लोगों को इन सुविधाओं का उपलब्ध कराया जाना मानवीय दृष्टि से अतिआवश्यक एवं उचित है।